

Rohil Uranium Project, Sikar, Rajasthan



Rajasthan is an important state for mineral exploration in India. The discovery of uranium deposits in the Rohil area of Sikar district has brought the state into focus in the field of atomic minerals. The project is significant for India's nuclear energy programme and efforts to strengthen domestic uranium resources.

Important clarification: The Rohil project is a proposed uranium mining project, not an operational uranium power plant. According to the Government of India's update dated 4 February 2026, statutory clearances for starting mining operations were still being pursued.

Key Highlights

Particular	Details
Project	Rohil Uranium Project
State	Rajasthan
District	Sikar

Location	Rohil area, Khandela region
Mineral	Uranium oxide (U_3O_8)
Identified deposits	Rohil, Rohil (West), Geratiyon Ki Dhani
Total estimated resources in these three deposits	11,801 tonnes
Exploration agency	Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research (AMDER)
Prospective mining organisation	Uranium Corporation of India Limited (UCIL)
Administrative department	Department of Atomic Energy (DAE)
Letter of Intent	Obtained from the Government of Rajasthan on 22 June 2022
Latest official status verified in this note	On 4 February 2026, statutory clearances for commencing mining operations were still being pursued

Details of Uranium Deposits

The Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research identified three uranium deposits in Sikar district. Their estimated resources were reported as follows:

Deposit	Estimated Uranium Oxide Resources

Rohil	8,813 tonnes
Rohil (West)	1,086 tonnes
Geratiyon Ki Dhani	1,902 tonnes
Total	11,801 tonnes

Role of Important Organisations

- AMD: Explores and evaluates deposits of uranium and other atomic minerals.
- UCIL: A public sector enterprise responsible for uranium mining and processing.
- DAE: Oversees India's atomic energy programme and related activities.
- Government of Rajasthan: Handles relevant state-level procedures associated with the mining project.

Conclusion

The Rohil Uranium Project is a significant development in Rajasthan's mineral exploration sector. Its future progress depends on the necessary statutory approvals and the technical and economic feasibility of mining. The project is important for competitive examinations because it connects Rajasthan geography, mineral resources, public sector enterprises, and India's nuclear energy programme.

MCQs

Q1. In which district of Rajasthan is the Rohil Uranium Project located?

- A) Udaipur
- B) Sikar
- C) Bikaner
- D) Jaisalmer

Answer: B) Sikar

Q2. Which organisation is responsible for exploring uranium deposits in India?

- A) ISRO
- B) DRDO

- C) Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research (AMD)
- D) Geological Survey of India (GSI)

Answer: C) Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research (AMD)

Q3. Which organisation has been nominated as the prospective lessee for the Rohil Uranium Project?

- A) Nuclear Power Corporation of India Limited (NPCIL)
- B) Uranium Corporation of India Limited (UCIL)
- C) Oil and Natural Gas Corporation (ONGC)
- D) Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL)

Answer: B) Uranium Corporation of India Limited (UCIL)

Q4. How many uranium deposits are included in the reported resource estimates for the Rohil area?

- A) Two
- B) Three
- C) Four
- D) Five

Answer: B) Three

Q5. What is the primary use of uranium in the energy sector?

- A) Solar power generation
- B) Wind power generation
- C) Nuclear power generation
- D) Hydroelectric power generation

Answer: C) Nuclear power generation

राजस्थान की पहली यूरेनियम खनन परियोजना

राजस्थान भारत में खनिज अन्वेषण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण राज्य है। सीकर जिले के रोहिल क्षेत्र में यूरेनियम के भंडारों की खोज ने परमाणु खनिजों के क्षेत्र में राजस्थान को विशेष पहचान दिलाई है। यह परियोजना भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम और घरेलू यूरेनियम संसाधनों को मजबूत करने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है।

महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण: रोहिल परियोजना एक प्रस्तावित यूरेनियम खनन परियोजना है, न कि वर्तमान में संचालित यूरेनियम विद्युत संयंत्र। भारत सरकार द्वारा 4 फरवरी 2026 को दी गई जानकारी के अनुसार, खनन कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों की प्रक्रिया जारी थी।

प्रमुख मुख्य बिंदु

प्रमुख बिंदु	विवरण
परियोजना का नाम	रोहिल यूरेनियम परियोजना
राज्य	राजस्थान
जिला	सीकर
स्थान	रोहिल क्षेत्र, खंडेला क्षेत्र
खनिज	यूरेनियम ऑक्साइड (U_3O_8)
चिह्नित भंडार	रोहिल, रोहिल (पश्चिम), गेराटियों की ढाणी
तीनों भंडारों में अनुमानित कुल संसाधन	11,801 टन
अन्वेषण एजेंसी	परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (AMD)
संभावित खनन संस्था	यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (UCIL)
संबंधित विभाग	परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE)
आशय पत्र (Letter of Intent)	राजस्थान सरकार द्वारा 22 जून 2022 में जारी
नवीनतम सत्यापित स्थिति	4 फरवरी 2026 तक, खनन कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी थी।

यूरेनियम भंडारों का विवरण

परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (AMD) ने सीकर जिले में यूरेनियम के तीन भंडारों की पहचान की है। इन भंडारों में यूरेनियम ऑक्साइड के अनुमानित संसाधनों का विवरण निम्नलिखित है:

भंडार का नाम	अनुमानित यूरेनियम ऑक्साइड संसाधन
रोहिल	8,813 टन
रोहिल (पश्चिम)	1,086 टन
गेराटियों की ढाणी	1,902 टन
कुल	11,801 टन

प्रमुख संस्थाओं की भूमिका

- AMD: यूरेनियम और अन्य परमाणु खनिजों के भंडारों की खोज और मूल्यांकन करता है।
- UCIL: यूरेनियम के खनन और प्रसंस्करण से संबंधित कार्य करने वाला सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।
- DAE: भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम और उससे संबंधित गतिविधियों की देखरेख करता है।
- राजस्थान सरकार: परियोजना से संबंधित राज्य स्तरीय प्रक्रियाओं और खनन संबंधी मामलों में भूमिका निभाती है।

निष्कर्ष

रोहिल यूरेनियम परियोजना राजस्थान के खनिज अन्वेषण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विकास है। इस परियोजना की प्रगति आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों तथा खनन की तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता पर निर्भर करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से यह परियोजना राजस्थान के भूगोल, खनिज संसाधनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम से संबंधित एक महत्वपूर्ण विषय है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. राजस्थान में रोहिल यूरेनियम परियोजना किस जिले में स्थित है?

- A) उदयपुर
- B) सीकर

- C) बीकानेर
- D) जैसलमेर

उत्तर: B) सीकर

प्रश्न 2. भारत में यूरेनियम के भंडारों की खोज के लिए कौन-सी संस्था जिम्मेदार है?

- A) ISRO
- B) DRDO
- C) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (AMD)
- D) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI)

उत्तर: C) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (AMD)

प्रश्न 3. रोहिल यूरेनियम परियोजना के लिए संभावित पट्टाधारक के रूप में किस संस्था को नामित किया गया है?

- A) NPCIL
- B) UCIL
- C) ONGC
- D) BHEL

उत्तर: B) यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (UCIL)

प्रश्न 4. रोहिल क्षेत्र में अनुमानित संसाधनों के आँकड़ों में यूरेनियम के कितने भंडार शामिल हैं?

- A) दो
- B) तीन
- C) चार
- D) पाँच

उत्तर: B) तीन

प्रश्न 5. ऊर्जा क्षेत्र में यूरेनियम का मुख्य उपयोग क्या है?

- A) सौर ऊर्जा उत्पादन
- B) पवन ऊर्जा उत्पादन
- C) परमाणु ऊर्जा उत्पादन
- D) जलविद्युत ऊर्जा उत्पादन

उत्तर: C) परमाणु ऊर्जा उत्पादन

International Conference on Water Sustainability 2026



The International Conference on Water Sustainability (ICWS 2026) will be held at the Indian Institute of Technology (IIT) Jodhpur, Rajasthan, from 28 to 30 October 2026. Organised by the Department of Environmental and Sustainability Engineering (DESE), the conference aims to address water scarcity, groundwater depletion, climate change, and water pollution through scientific research, technological innovation, and community participation.

Key Highlights

Particular	Details
Official Name	ICWS 2026
Venue	IIT Jodhpur, Rajasthan
Dates	28–30 October 2026
Organiser	DESE, IIT Jodhpur
Key Themes	Water sustainability, water scarcity, groundwater depletion, water quality, climate resilience, policy and community resilience
Related SDG	SDG 6: Clean Water and Sanitation

Why Is It Important?

- Traditional Knowledge: Promotes Rajasthan's baoris, tankas, and johads.
- Modern Technology: Encourages innovative water treatment and management.
- Climate Resilience: Addresses water-related challenges linked to climate change.

Additional Point: Global Significance

The conference aligns with UN Sustainable Development Goal 6 (SDG 6), which focuses on clean water and sanitation for all.

Conclusion

ICWS 2026 provides a platform to connect scientific innovation, effective policymaking, and traditional water conservation practices. Its discussions are especially relevant to water-stressed regions like Rajasthan. The conference aims to encourage sustainable water management and strengthen cooperation among researchers, policymakers, and communities.

MCQs

1. Where will ICWS 2026 be held?

- A) IIT Delhi
- B) IIT Jodhpur
- C) IIT Bombay
- D) IIT Kanpur

Answer: B) IIT Jodhpur

2. When is the conference scheduled?

- A) 20–22 October
- B) 25–27 October
- C) 28–30 October
- D) 1–3 November

Answer: C) 28–30 October

3. Which department is organising the conference?

- A) DESE, IIT Jodhpur
- B) ISRO
- C) DRDO
- D) NITI Aayog

Answer: A) DESE, IIT Jodhpur

4. Which SDG focuses on clean water and sanitation?

- A) SDG 3
B) SDG 6
C) SDG 9
D) SDG 13

Answer: B) SDG 6

जल स्थिरता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026: नवाचार, नीति और सामुदायिक लचीलापन

जल स्थिरता पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: नवाचार, नीति और सामुदायिक लचीलापन (ICWS 2026) का आयोजन 28 से 30 अक्टूबर 2026 तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) जोधपुर, राजस्थान में हो रहा है। इसका आयोजन IIT जोधपुर के पर्यावरण एवं सततता इंजीनियरिंग विभाग (DESE) द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में जल स्थिरता से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान पर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, नीतिगत दृष्टिकोण और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से चर्चा की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

विवरण	जानकारी
आधिकारिक नाम	ICWS 2026
आयोजन स्थल	IIT जोधपुर, राजस्थान
आयोजन की तिथि	28-30 अक्टूबर 2026
आयोजक	DESE, IIT जोधपुर
प्रमुख विषय	जल गुणवत्ता, जलवायु अनुकूलन, जल शासन और कृषि
संबंधित सतत विकास लक्ष्य	SDG 6: स्वच्छ जल एवं स्वच्छता

यह सम्मेलन क्यों महत्वपूर्ण है?

- पारंपरिक ज्ञान: राजस्थान की बावड़ियों, टांकों और जोहड़ों जैसी पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को बढ़ावा देता है।
- आधुनिक तकनीक: जल उपचार और जल प्रबंधन के लिए नवीन तकनीकों एवं समाधानों को प्रोत्साहित करता है।
- जलवायु अनुकूलन: जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जल संबंधी चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करता है।

अतिरिक्त बिंदु: वैश्विक महत्व

यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 6 (SDG 6) के अनुरूप है। इसका उद्देश्य सभी लोगों के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

निष्कर्ष

ICWS 2026 वैज्ञानिक नवाचार, प्रभावी नीतिगत निर्णयों और पारंपरिक जल संरक्षण पद्धतियों को एक मंच पर लाने का अवसर प्रदान करता है। राजस्थान जैसे जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों के लिए इस सम्मेलन की चर्चा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य सतत जल प्रबंधन को प्रोत्साहित करना तथा शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और समुदायों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. ICWS 2026 का आयोजन कहाँ किया जाएगा?

- A) IIT दिल्ली
- B) IIT जोधपुर
- C) IIT बॉम्बे
- D) IIT कानपुर

उत्तर: B) IIT जोधपुर

2. यह सम्मेलन कब आयोजित किया जाएगा?

- A) 20-22 अक्टूबर
- B) 25-27 अक्टूबर
- C) 28-30 अक्टूबर
- D) 1-3 नवंबर

उत्तर: C) 28-30 अक्टूबर

3. इस सम्मेलन का आयोजन कौन-सा विभाग कर रहा है?

- A) DESE, IIT जोधपुर
- B) ISRO
- C) DRDO
- D) नीति आयोग

उत्तर: A) DESE, IIT जोधपुर

4. कौन-सा सतत विकास लक्ष्य स्वच्छ जल एवं स्वच्छता पर केंद्रित है?

- A) SDG 3
- B) SDG 6
- C) SDG 9
- D) SDG 13

RASonly